नोट -

1. नवीन छात्रों की उच्चारण शुद्धि हेतु अमरकोष पढ़ाएँ (समयानुसार)।
2. वेदमन्त्रों की अक्षुण्ण परम्परा को बनाए रखने हेतु प्रत्येक छात्र का उच्चारण एवं स्वर शुद्ध हो इसका विशेष ध्यान रखते हुए छात्रों को उच्चारण स्थान इत्यादि से परिचित कराये।
3. नवीन छात्रों से उनका गोत्र, शाखा इत्यादि ज्ञात कर उसको स्वशाखाध्ययन कराने का प्रयत्न करें।
4. प्रत्येक वर्ष के पाठ्यक्रम का गुरुमुख से सम्पूर्ण अध्यापन एवं स्वाध्याय पूर्वक कण्ठस्थीकरण उसी वर्ष में पूर्ण करना अनिवार्य है।
5. छात्रों को परम्परागत सस्वर अध्ययन पद्धति से ही वेद अध्यापन कराना अनिवार्य है। जैसे -

   16 सन्था पद्धति

   अथवा

   10 पाठ

   10 वल्लि/दशावृत्ति/सन्था
6. प्रत्येक माह के अन्त में (पढाये गए विषयों की) मासिक परीक्षा कर छात्रों के कण्ठस्थीकरण, उच्चारण आदि की स्थिति का अवलोकन करें। यदि न्यूनता हो तो पूर्ण करें।
7. छात्रों की उच्चारण शुद्धि एवं ज्ञानवर्धन के लिए प्रतिदिन प्रातः एवं सायं सन्ध्या के पश्चात् विष्णुसहस्त्रनाम, महिषासुरमर्दिनी स्तोत्रम्, दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्, अन्नपूर्णास्तोत्रम्, भजगोविन्दम्, प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्रम्, रामरक्षास्तोत्रम् इत्यादि स्तोत्रों का समयानुसार अभ्यास एवं पाठ करें, जिससे भारतीय परम्परा में श्रद्धा एवं उत्साह बना रहें।
8. गतवर्षों का पाठ्यक्रम छात्र को कण्ठस्थ है या नहीं ज्ञात करने हेतु परीक्षण (Assessment) किया जाएगा।
9. परीक्षक को विगत सभी वर्षों के पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछने का पूर्ण अधिकार होगा।
10. सस्वर वेदाध्ययन करने वालों की संख्या शनैः शनैः क्षीण हो रही है। अतः श्रद्धावान्, मेधावान् एवं दार्ढ्य बुद्धि वाले छात्रों की वेदाध्ययन में रुचि उत्पन्न करने हेतु आवश्यक प्रयत्न करना।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
त्रिकालसन्ध्या प्रयोग। अग्निकार्य। भोजनविधि। वैश्वदेव प्रयोग। यज्ञोपवीतधारण प्रयोग । प्रज्ञाविवर्धन स्तोत्र। श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय 12, 15। रामरक्षा स्तोत्र। गणपति अथर्वशीर्ष। श्रीसूक्त। वर्णसमाम्नाय। वर्णोच्चारण विधि। गुरुवन्दना। काण्व संहिता अध्याय 1 से 3 सम्पूर्ण कण्ठस्थीकरण।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	त्रिकालसन्ध्या प्रयोग, प्रज्ञाविवर्धन स्तोत्र		10	1. छात्र नित्य त्रिकाल सन्ध्या एवं अग्निकार्य अत्यन्त श्रद्धायुक्त होकर त्रिकालसन्ध्या के समय का ध्यान में रखकर अनिवार्य रूप से करें। 2. प्रतिदिन सायंकालीन सन्ध्या के पश्चात् अधीत स्तोत्रादि का पाठ करें। 3. वेदारंभ से पूर्व अध्यापक छात्रों को वर्णोच्चारण के स्थान, काल, मात्रा, आदि समझाकर उनसे शुद्ध उच्चारण करावें। 4. संहिता का अध्ययन पारंपारिक सन्था पद्धति से करें। 5. सन्था पद्धती के अनुसार आरंभिक काल में पादशः सन्था शुद्ध उच्चारण होने तक करावें। 6. छात्रों द्वारा शुद्ध उच्चारण होने पर 16 सन्था अपने समक्ष करावे जिसमें चरण सन्था 4 बार। अर्द्धरीसन्था 4 बार। मन्त्र सन्था 4 बार। अनुवाक सन्था 4 बार। इस प्रकार 16 सन्थाए पूर्ण करावें। 7. अधीत मंत्रों को कण्ठगत कर अध्यापक को कण्ठस्थ सुनावे। 8. प्रत्येक कण्ठस्थ विषय की आवृत्ति छात्र प्रतिदिन करें। 9. मंत्रों की सन्था तथा आवृत्ति की परम्परा को ध्यान में रखते हुवें। छात्र अध्यापक के आदेशों का यथावत् पालन करें।
2	द्वितीय माह	अग्निकार्य, भोजनविधि, श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय 12,15,		10	
3	तृतीय माह	वैश्वदेव प्रयोग, यज्ञोपवीत धारण प्रयोग, रामरक्षा स्तोत्र		10	
4	चतुर्थ माह	वर्णसमाम्नाय, वर्णोच्चारण विधि, गणपति अथर्वशीर्ष, श्रीसूक्त		10	
5	पञ्चम माह	गुरुवन्दना, काण्व संहिता अध्याय 3 अनुवाक 1, 2	16	10	
6	षष्ठ माह	काण्व संहिता अध्याय 3 अनुवाक 3 से 5	40	10	
7	सप्तम माह	काण्व संहिता अध्याय 3 अनुवाक 6 से 9 काण्व संहिता अध्याय 1 अनुवाक 1 से 4	20 19	10	
8	अष्टम माह	काण्व संहिता अध्याय 1 अनुवाक 5 से 10	31	10	
9	नवम माह	काण्व संहिता अध्याय 2 अनुवाक 1 से 3	29	10	
10	दशम माह	काण्व संहिता अध्याय 2 अनुवाक 4 से 7	31	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			186 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
ब्रह्मयज्ञ प्रयोग । नित्यतर्पण प्रयोग । काण्व संहिता अध्याय 4 से 12 । पाणिनीय शिक्षा । पारस्कर गृह्यसूत्र 1 काण्ड 1 से 4 कंडिका । विष्णुसहस्त्रनाम स्तोत्र ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	काण्व संहिता अध्याय 4 सम्पूर्ण, ब्रह्मयज्ञ प्रयोग	49 मन्त्र	10	1. छात्र नित्य त्रिकाल सन्ध्या एवं अग्निकार्य अत्यन्त श्रद्धायुक्त होकर त्रिकालसन्ध्या के समय का ध्यान में रखकर अनिवार्य रूप से करें। 2. प्रतिदिन सायंकालीन सन्ध्या के पश्चात् अधीत स्तोत्रादि का पाठ करें। 3. अध्यापक छात्रों को वर्णोच्चारण के स्थान, काल, मात्रा, आदि समझाकर उनसे शुद्ध उच्चारण करावें। 4. संहिता का अध्ययन पारंपारिक सन्था पद्धति से करें। 5. सन्था पद्धती के अनुसार आरंभिक काल में पादशः शुद्ध उच्चारण होने तक करावें। 6. छात्रों द्वारा शुद्ध उच्चारण होने पर 16 सन्था अपने समक्ष करावे जिसमें चरण सन्था 4 बार। अर्द्धरीसन्था 4 बार। मन्त्र सन्था 4 बार। अनुवाक सन्था 4 बार। इस प्रकार 16 सन्थाए पूर्ण करावें। 7. अधीत मंत्रों को कण्ठगत कर छात्र अध्यापक को कण्ठस्थ सुनावे। 8. गतवर्षीय कंठस्थ अध्यायों की आवृत्ति प्रतिदिन करें। 9. ब्रह्मयज्ञ एवं नित्यतर्पण प्रतिदिन माध्याह्न संध्योपरांत करें। 10. पाणिनीय शिक्षा मूलमात्र
2	द्वितीय माह	काण्व संहिता अध्याय 5 सम्पूर्ण, नित्यतर्पण प्रयोग	55 मन्त्र	10	
3	तृतीय माह	काण्व संहिता अध्याय 6 सम्पूर्ण	50 मन्त्र	10	
4	चतुर्थ माह	काण्व संहिता अध्याय 7 सम्पूर्ण	40 मन्त्र	10	
5	पञ्चम माह	काण्व संहिता अध्याय 8 सम्पूर्ण, विष्णुसहस्त्रनाम स्तोत्र	32 मन्त्र	10	
6	षष्ठ माह	काण्व संहिता अध्याय 9 सम्पूर्ण	46 मन्त्र	10	
7	सप्तम माह	काण्व संहिता अध्याय 10 सम्पूर्ण	43 मन्त्र	10	
8	अष्टम माह	काण्व संहिता अध्याय 11 सम्पूर्ण, पाणिनीय शिक्षा मन्त्र 1 से 5 अथ शिक्षां से स्वराणां पर्यन्त	47 मन्त्र	10	
9	नवम माह	काण्व संहिता अध्याय 12 अनुवाक 1 से 4 पाणिनीय शिक्षा मन्त्र 6 से 11 यथा सौराष्ट्रिका से शंकरः शांकरीम् पर्यन्त	50 मन्त्र	10	
10	दशम माह	काण्व संहिता अध्याय 12 अनुवाक 5 से 7, पारस्कर गृह्यसूत्र 1 काण्ड 1 से 4 कंडिका	35 मन्त्र	10	

					मन्त्र पद्धति के अनुसार सस्वर अध्ययन करें। 11 इस वर्ष पाठ्यक्रमानुसार संहिता के अध्यायों की सन्था अध्यापक के द्वार चरण सन्था 2 बार एवम् अर्द्धरि सन्था 2 बार ग्रहण करें शेष 12 सन्था छात्र अपने सहाध्यायियों के साथ अध्यापक के निर्देश में करें। 12. कंठस्थ अध्यायों कि आवृत्ति समूह में प्रतिदिन करें। 13. मंत्रों की सन्था तथा आवृत्ति की परम्परा को ध्यान में रखते हुवें। छात्र अध्यापक के आदेशों का यथावत् पालन करें।
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			447 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
काण्व संहिता अध्याय 13 से 20 । पारस्कर गृह्यसूत्र 1 काण्ड 5 से 24 कंडिका । पिङ्गलछन्दसूत्र मूलमात्र सम्पूर्ण					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	काण्व संहिता अध्याय 13 अनुवाक संख्या 1 से 4	62 मन्त्र	10	1. छात्र नित्य त्रिकाल सन्ध्या एवं अग्निकार्य अत्यन्त श्रद्धायुक्त होकर त्रिकालसन्ध्या के समय का ध्यान में रखकर अनिवार्य रूप से करें। 2. प्रतिदिन सायंकालीन सन्ध्या के पश्चात् अधीत स्तोत्रादि का पाठ करें। 3. अधीत मंत्रों को कण्ठगत कर अध्यापक को कण्ठस्थ सुनावे। 4. प्रथम से द्वितीय वर्ष के अधीत अध्यायों की आवृत्ति प्रतिदिन 5 अध्याय इस प्रकार करें। साथ ही इस वर्ष के अधीत अध्यायों की भी आवृत्ति प्रतिदिन करें।
2	द्वितीय माह	काण्व संहिता अध्याय 13 अनुवाक संख्या 5 से 7	54 मन्त्र	10	
3	तृतीय माह	काण्व संहिता अध्याय 14 सम्पूर्ण	65 मन्त्र	10	
4	चतुर्थ माह	काण्व संहिता अध्याय 15 सम्पूर्ण काण्व संहिता अध्याय 16 अनुवाक संख्या 1 से 3	35 मन्त्र 30 मन्त्र	10	
5	पञ्चम माह	काण्व संहिता अध्याय 16 अनुवाक संख्या 4 से 7	55 मन्त्र	10	
6	षष्ठ माह	काण्व संहिता अध्याय 17 सम्पूर्ण	64 मन्त्र	10	
7	सप्तम माह	काण्व संहिता अध्याय 18 अनुवाक संख्या 1 से 5	64 मन्त्र	10	
8	अष्टम माह	काण्व संहिता अध्याय 18 अनुवाक संख्या 6 से 7 काण्व संहिता अध्याय 19 सम्पूर्ण	22 मन्त्र 43 मन्त्र	10	
9	नवम माह	काण्व संहिता अध्याय 20 सम्पूर्ण	46 मन्त्र	10	
10	दशम माह	पारस्कर गृह्यसूत्र 1 काण्ड 5 से 24 कंडिका पिङ्गलछन्दसूत्र	20 10	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			540 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)					
काण्व संहिता अध्याय 21 से 30। पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 1 से 20 कंडिका। बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 1 सम्पूर्ण कण्ठस्थीकरण ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	काण्व संहिता अध्याय 21 अनुवाक 1 से 3, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 1 से 2 कंडिका	50 मन्त्र	10	1. छात्र नित्य त्रिकाल सन्ध्या एवं अग्निकार्य अत्यन्त श्रद्धायुक्त होकर त्रिकालसन्ध्या के समय का ध्यान में रखकर अनिवार्य रूप से करें। 2. प्रतिदिन सायंकालीन सन्ध्या के पश्चात् अधीत स्तोत्रादि का पाठ करें। 3. बृहदारण्यकोपनिषद् की सन्था अध्यापक के द्वारा कम से कम 5 बार ग्रहण करें। पश्चात् समूह में चरण सन्था एवं कंडिका सन्था इस प्रकार कम से कम 10-10 बार करके कण्ठस्थ करें । 4. प्रथम वर्ष से तृतीय वर्ष के अधीत अध्यायों की प्रतिदिन 5 इसप्रकार समूह में आवृत्ति करें। 5. इस वर्ष के कण्ठस्थ अध्यायों की आवृत्ति प्रतिदिन करें।
2	द्वितीय माह	काण्व संहिता अध्याय 21 अनुवाक 4 से 7, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 3 से 4 कंडिका,	56 मन्त्र	10	
3	तृतीय माह	काण्व संहिता अध्याय 22 सम्पूर्ण, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 5 से 6 कंडिका,	75 मन्त्र	10	
4	चतुर्थ माह	काण्व संहिता अध्याय 23 सम्पूर्ण, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 7 से 8 कंडिका	60 मन्त्र	10	
5	पञ्चम माह	काण्व संहिता अध्याय 24 सम्पूर्ण, काण्व संहिता अध्याय 25 अनुवाक 1 से 4, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 9 से 10 कंडिका	47 19	10	
6	षष्ठ माह	काण्व संहिता अध्याय 25 अनुवाक 5 से 10, काण्व संहिता अध्याय 26 अनुवाक 1 से 3, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 11 से 12 कंडिका	48 19	10	

7	सप्तम माह	काण्व संहिता अध्याय 26 अनुवाक 4 से 8, काण्व संहिता अध्याय 27 सम्पूर्ण, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 13 से 14 कंडिका	25 45	10	
8	अष्टम माह	काण्व संहिता अध्याय 28 सम्पूर्ण, काण्व संहिता अध्याय 29 सम्पूर्ण, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 14 से 16 कंडिका	14 50	10	
9	नवम माह	काण्व संहिता अध्याय 30 सम्पूर्ण, बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 1 ब्राह्मण 1 से 3, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 17 से 18 कंडिका	46	10	
10	दशम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 1 ब्राह्मण 4 से 6, पारस्कर गृह्यसूत्र 2 काण्ड 19 से 20 कंडिका		10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			554 मन्त्र	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)					
काण्व संहिता अध्याय 31 से 40 । बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 2, 3 सम्पूर्ण कण्ठस्थीकरण । निघण्टु अध्याय 1 से 5 कण्ठस्थीकरण ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम माह	काण्व संहिता अध्याय 31 सम्पूर्ण काण्व संहिता अध्याय 32 अनुवाक संख्या 1	51 मन्त्र 14 मन्त्र	10	1. छात्र नित्य त्रिकाल सन्ध्या एवं अग्निकार्य अत्यन्त श्रद्धायुक्त होकर त्रिकालसन्ध्या के समय का ध्यान में रखकर अनिवार्य रूप से करें। 2. प्रतिदिन सायंकालीन सन्ध्या के पश्चात् अधीत स्तोत्रादि का पाठ करें। 3. बृहदारण्यकोपनिषद् की सन्था अध्यापक के द्वारा कम से कम 5 बार ग्रहण करें। पश्चात् समूह में चरण सन्था एवं कंडिका सन्था इस प्रकार कम से कम 10-10 बार करके कण्ठस्थ करें । 4. बृहदारण्यकोपनिषद् के कंठस्थ अध्याय की प्रतिदिन आवृत्ति करें। 5. निघण्टु विषय की सन्था अध्यापक द्वारा 3 बार स्वयं द्वारा 7 बार इस प्रकार करें। 6. प्रथम से चतुर्थ वर्ष तक के अधीत अध्यायों की प्रतिदिन 5 अध्याय इसप्रकार समूह में आवृत्ति करें। 7. इस वर्ष के कण्ठस्थ अध्यायों की आवृत्ति प्रतिदिन करें।
2	द्वितीय माह	काण्व संहिता अध्याय 32 अनुवाक संख्या 2 से 6	70 मन्त्र	10	
3	तृतीय माह	काण्व संहिता अध्याय 33 सम्पूर्ण, काण्व संहिता अध्याय 34 सम्पूर्ण	46 मन्त्र 22 मन्त्र	10	
4	चतुर्थ माह	काण्व संहिता अध्याय 35 सम्पूर्ण, काण्व संहिता अध्याय 36 सम्पूर्ण	55 मन्त्र 24 मन्त्र	10	
5	पञ्चम माह	काण्व संहिता अध्याय 37 संपूर्ण, काण्व संहिता अध्याय 38संपूर्ण	20 मन्त्र 27 मन्त्र	10	
6	षष्ठ माह	काण्व संहिता अध्याय 39 सम्पूर्ण, काण्व संहिता अध्याय 40 सम्पूर्ण, निघण्टु अध्याय 1	12 मन्त्र 18 मन्त्र	10	
7	सप्तम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 2 ब्राह्मण 1-3, निघण्टु अध्याय 2	30 कंडिका	10	
8	अष्टम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 2 ब्राह्मण 4-6, निघण्टु अध्याय 3	36 कंडिका	10	
9	नवम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 3 ब्राह्मण 1-7, निघण्टु अध्याय 4	52 कंडिका	10	
10	दशम माह	बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय 3 ब्राह्मण 8-9, निघण्टु अध्याय 5	40 कंडिका	10	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			359 मन्त्र 158 कंडिका	100 अंक	